खोलो दया के भंडार | By Rakesh Kala |

विघ्न हरण मंगल करण
गणपति जी महाराज
प्रथम निमंत्रण आपको
मेरे पूर्ण कर दो काज

खोलो दया के भंडार
खोलो दया के भंडार
गणपति आए तेरे द्वार

जय गणेश शिव गौरी के नंदन
राखो मेरी लाज
प्रथम मनाऊँ आज मैं तुमको
पूर्ण कर दो काज
जय गणेश शिव गौरी के नंदन
राखो मेरी लाज

ऋद्धि सिद्धि के तुम हो दाता
भक्तों के तुम भाग्य विधाता
कारज सिद्ध हो जाता पल में
जो कोई तुम्हारा ध्यान लगाता
खुशियों से भर देना दामन
संग-संग रहना साथ
जय गणेश शिव गौरी के नंदन
राखो मेरी लाज

मूषक की सवारी गणपति
मोदक भोग तुम्हारा
माथे मुकुट गल मोतियन माला
सुंदर रूप अति न्यारा
सबके हो तुम राज दुलारे
नाथों के हो नाथ
जय गणेश शिव गौरी के नंदन
राखो मेरी लाज

शिव गौरा के गणपति प्यारे
तुमको है वरदान
सब देवों में सबसे पहले
जपते तेरा नाम
अपनी दया का रख दो गणपति
मेरे भी सिर पे हाथ
जय गणेश शिव गौरी के नंदन
राखो मेरी लाज

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%96%e0%a5%8b%e0%a4%b2%e0%a5%8b-%e0%a4%a6%e0%a4%af%e0%a4%be-%e0%a4%95%e0%a5%87-%e0%a4%ad%e0%a4%82%e0%a4%a1%e0%a4%be%e0%a4%b0-by-rakesh-kala/